2. **दुधारू पशुओं का चयन :**

- बैंक के तकनीकी अधिकारी / पशुचिकित्सक आदि की सहायता से स्वस्थ्य एवं अधिक उत्पादन वाला पशु ही खरीदना चाहिए।
- हाल ही मे बच्चा दिये, 2 अथवा 3 ब्यांत के पशु को ही खरीदना चाहिए।
- पशु खरीदने से पहले लगातार 3 समय के दूध को निकालकर देख लेना चाहिए।
- खरीदे गये पशु के कान में टैग अथवा टैटोइंग लगवा देना चाहिए।
- खरीदे गये पशु को तुरन्त रोगों से बचाव के टीके लगवाने चाहिए।
- नये खरीदे गये पशुओं को लगभग दो सप्ताह तक अलग रखना चाहिए और इसके बाद ही इन्हें दूसरे पशु के साथ मिलाना चाहिए।
- पशुओं को दो बैच में खरीदना चाहिए।दूसरा बैच पहले से 5-6 महीने बाद खरीदना उचित रहता है।
- भैंस को जुलाई से फरवरी के मध्य खरीदना ठीक रहता है क्योंकि, भैंस बच्चे देने में सीजनल है।
- पुराने पशुओं की 6 ब्यांत के बाद छंटनी कर देनी चाहिए तथा कम उत्पादक अथवा अनुत्पादक पशुओं की भी समय-समय पर छंटनी करते रहना चाहिए तथा उनकी जगह नये पशुओं को रखना चाहिए।